

[घोड़े के आदेश सं० ४११६ नो० ता० १२-८-११ में अनुमोदित]

संयुक्त मुख्य-पुठ और पत्रावरण ।

( जिनमें विान १२३३ अतिरिक्त १२३३३ )

2: 5/1/2018  
5: 21/1/2018  
Notice uplod  
22/2/2018

SAR 54/2005-16

विलेज

विभाग

जोदासिंह राईगाँव-पुठ  
विलेज राईगाँव

पं. १/१/१९९९

२ पात्र कुल (१५५५५)

C.N. (CP)

अभिज्ञानार्थ से मातृ होने की तारीख

वर्ष	वर्ष का अंत	वि. कार्ड को अंत तक का माता	पत्नी को नुमा	संख्या ५१ ५५	पत्नी को अंत	व्यक्ति
				14312021		14-6-15
				19-5-2021	07-6-18	(9.7.17)
				11/9/2014	7-8-18	
					25-8-12	
					25-8-12	
					15-10-17	
					22-4-18	
					03-02-21	29-11-17
						10-1-18
						7-2-18
						14-3-18
						18-4-18
						20-5-18
						5-8-18
						9-1-19
						13-2-19
						13-3-19



## न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमडेगा।

वाद सं०-एस०ए०आर० 54/2009-10

दिनांक.....

जोवाकिम खड़िया(मृत) सिलेना खड़ियाईन

बनाम

श्याम सुन्दर बड़ाईक

### आदेश

प्रस्तुत वाद अनुसूचित क्षेत्र विनियम, 1969 अन्तर्गत भूमि वापसी वाद की कार्यवाही आवेदक जोवाकिम खड़िया(मृत) सिलेना खड़ियाईन, पिता-स्व० जोसेफ खड़िया, ग्राम-ठेटईटांगर, थाना-ठेटईटांगर, जिला-सिमडेगा के आवेदन पर प्रारंभ किया गया। आवेदक ने लिखा है कि विपक्षी श्याम सुन्दर बड़ाईक, पिता-दुठा बड़ाईक, ग्राम-ठेटईटांगर, थाना-ठेटईटांगर, जिला-सिमडेगा ने अवैध तरीके से उनकी रैयती भूमि पर कब्जा कर लिया है। जिसे विहार अनुसूचित क्षेत्र विनियम, 1969 के तहत वापस दिलवाने का अनुरोध किया है। वाद सं०-54/2009-10 के अनुसार प्रश्नगत भूमि की विवरणी निम्नवत है:-

मौजा	खाता नं०	प्लॉट नं०	रकबा
ठेटईटांगर	222	3219	0.04 एकड़

वाद की कार्यवाही प्रारंभ किया गया। इस न्यायालय के पत्रांक 96(ii)/विधि, दिनांक 27.09.2009 के द्वारा अंचल अधिकारी, ठेटईटांगर के प्रतिवेदन अनुसार प्रश्नगत भूमि पर अवैध दखल-कब्जा है। विपक्षी का 1960 से 0.05<sup>3</sup>/<sub>4</sub> एकड़ में से कब्जा है। जिसमें से 0.04 एकड़ भूमि में मकान वाला भूमि का एस०ए०आर नं०-43/84 दिनांक 22.01.1985 द्वारा मौजा-ठेटईटांगर, प्लॉट सं०-3219, रकबा-0.04 एकड़ पूर्व में ही डिग्री नकल के बाद दाखिल खारिज वाद सं०-115RXXVII/87-88 है जो इलियस खड़िया वल्द बुधु खड़िया द्वारा एस०ए०आर० हुआ था। शेष 0.05<sup>3</sup>/<sub>4</sub> एकड़ अवैध दखल है। विपक्षी का शेष 0.01<sup>3</sup>/<sub>4</sub> एकड़ में सिर्फ बारी है, एवं उक्त भूमि आवेदक श्री जोवाकिम खड़िया के हिस्से का नहीं है। बल्कि स्व० इलियस खड़िया का पुत्र राजेश केरकेट्टा (खड़िया) का हिस्सा है। खतियानी रैयत बुधु खड़िया वल्द दुदु खड़िया पे०. गुडरू खड़िया साकिन देह है। आवेदक खतियानी रैयत बुधु खड़िया को पोता एवं पंजी ॥ रैयत जोसेफ का पुत्र है। रजिस्टर ॥ के रैयत जोसेफ खड़िया वो इलियस खड़िया पे०. बुधु खड़िया वो दुदु खड़िया वल्द गुडरू खड़िया। उभय पक्षों को संबंधित वाद के सुनवाई हेतु नोटिस जारी किया गया। पुनः दिनांक 15.05.2012 को उभय पक्षों को नोटिस निर्गत किया गया। दिनांक 11.04.2017 को उभय पक्षों को नोटिस निर्गत। नोटिस तामिला के क्रम में न्यायालय को बतलाया गया कि जोवाकिम खड़िया, पिता-स्व० जोसेफ खड़िया, ग्राम-ठेटईटांगर, थाना-ठेटईटांगर, जिला-सिमडेगा की मृत्यु हो गई है। अतः नोटिस तामिला वापस (चौकिदार मो० कालिम अंसारी दिनांक 30.04.2017)। दिनांक 14.06.2017 से 19.05.2021 तक लगातार वाद की सुनवाई के क्रम में न्यायालय में अनुपस्थित रह रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उभय पक्षों को विहार अनुसूचित क्षेत्र विनियम, 1969 के वाद की सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से अभिरूचि नहीं है। इनकी मनसा शायद न्यायालय के समय को बर्बाद करने का है। ऐसे स्थिति में वाद सं०-54/2009-10 को संचिकास्त किया जा सकता है। फिर भी यदि आवेदक की इच्छा हो तो संबंधित वाद को न्यायालय में पुनः सुनवाई हेतु आवेदन पत्र समर्पित करते हुए अनुरोध कर सकते हैं।

लेखापित एवं संशोधित।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी  
सिमडेगा।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी  
सिमडेगा।